

मार्च में नरियात में गरिावट होने से श्रम-गहन क्षेत्र प्रभावति

चर्चा में क्यॉं?

मार्च, 2018 में नरियात में गरिावट होने के कारण श्रम-गहन क्षेत्रों को झटका लगा है।

प्रमुख बदि

- आयात में वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ गया है इसको देखते हुए नरियातक भवष्य के बारे में चतिाति हैं।
- रत्न और आभूषण, पेट्रोलियम उत्पाद, रेडीमेड वस्त्र और कृषि उत्पादों के नरियात में गरिावट ने मार्च, 2018 में भारत के कुल नरियात (साल-दर-साल) को 0.6 प्रतिशत की गरिावट के साथ 29.11 अरब डॉलर कर दिया।
- नरियातकों को चतिा है कि इससे प्रभावति होने वाले कई क्षेत्र श्रम प्रधान हैं जिनको तरलता से संबंधति समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
- वाणजिय मंत्रालय द्वारा जारी कये गए आँकड़ों के अनुसार, अप्रैल-मार्च 2017-18 की अवधि में नरियात 9.78 प्रतिशत से बढ़कर 302.4 अरब डॉलर पर पहुँच गया, जो पछिले तीन वर्षों में सबसे ज़्यादा है।
- मार्च, 2018 में व्यापार घाटा बढ़कर 13.69 अरब डॉलर हो गया, जो पछिले वर्ष इसी महीने में 10.65 अरब डॉलर था, क्यॉंकि मार्च के महीने में आयात 7.15 प्रतिशत से बढ़कर 42.80 अरब डॉलर रहा।
- अप्रैल-मार्च 2017-18 में व्यापार घाटा लगभग 50 प्रतिशत से बढ़कर 156.83 अरब डॉलर रहा, इसके साथ ही वत्तीय वर्ष के दौरान आयात 19.59 प्रतिशत से बढ़कर 459.67 अरब डॉलर हो गया।

वदिशी व्यापार (अप्रैल-मार्च 2017-18)		
	मूल्य बलियिन डॉलर (Provisionals)	वृद्धिदर(%)
नरियात	302.84	9.78
आयात	459.67	19.59
व्यापार संतुलन	-156.83	44.54

- मार्च, 2018 में आयात में वृद्धि काफी हद तक पेट्रोलियम, रसायन, मशीनरी, परविहन उपकरण, लोहा एवं इस्पात और कोयला में वृद्धि के कारण हुई थी।
- दूसरी तरफ सोने का आयात 40 प्रतिशत घटकर 2.49 अरब डॉलर रह गया।

उद्योगों की चतिाएँ

- यह उन श्रम-गहन क्षेत्रों एवं नरियातोनमुख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों जनिमें सामान्यतया रत्न एवं आभूषण, रेडीमेड वस्त्र, जूट उत्पादन, कृषि उत्पादों से संबंधति क्षेत्र शामिल हैं, के लिये एक चतिा का वषिय है। ये अभी भी तरलता की समस्या का सामना कर रहे हैं क्यॉंकि बैंक और उधार देने वाली एजेंसियों अपने मानदंडों को कठोर कर रही हैं, जो नए वत्तीय वर्ष के लिये नरियात हेतु अच्छा नहीं है।
- मार्च, 2018 में वस्तुओं के नरियात में गरिावट एक अच्छे अवसर को खो देना है, क्यॉंकि अमेरिका सहति प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भी इस समय बढ़ोतरी दखि रही है।
- इंजीनियरिंग सेक्टर जो कि नरियात होने वाली वस्तुओं में प्रमुख है, मार्च में केवल 2.62 फीसदी की बढ़ोतरी कर सका।
- मार्च, 2018 में गैर-पेट्रोलियम और गैर-जवाहरात और आभूषण नरियात 22.42 अरब डॉलर मूल्य के थे, जो कि मार्च, 2017 के मुकाबले 4.6 प्रतिशत अधिक था।

